

प्रेषक,

पी०सी० शर्मा,  
प्रमुख सचिव  
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक  
नागरिक उड्डयन,  
उत्तरांचल देहरादून।

नागरिक उड्डयन विभाग

देहरादून: दिनांक: ०७ जुलाई, 2006

विषय:—

श्री बद्रीनाथ में हेलीपैड के निर्माण हेतु प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति ।

महोदय,

उपरोक्त विषयक जिलाधिकारी, चमोली के पत्र संख्या-183/चाँतीस-07(2005-06), दिनांक 28 नवम्बर, 2005 की प्रतिलिपि संलग्न करते हुए मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री बद्रीनाथ धाम के प्रवेश द्वार (बद्रीश वन) के समीप राज्य सरकार की भूमि, जो कि जिला प्रशासन, चमोली द्वारा निःशुल्क राजकीय नागरिक उड्डयन विभाग को हस्तान्तरित की जा रही है, में एम०आई०-17 के तीन हेलीकॉप्टर के उतरने योग्य हेलीपैड के निर्माण हेतु अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग, गोपेश्वर, जिला-चमोली द्वारा गठित रुपये 143.96 लाख के आगणनों के सापेक्ष टी०ए०सी० द्वारा परीक्षणोपरान्त संस्तुत रुपये 141.65 (रुपये एक करोड़ इकतालीस लाख पैंसठ हजार मात्र) की लागत के आगणनों की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान करते हुए वर्तमान वित्तीय वर्ष 2006-2007 में इतनी ही धनराशि को दो समान किश्तों में आहरण कर व्यय किये जाने हेतु श्री राज्यपाल आपके निर्वर्तन पर रखे जाने की सहर्ष स्वीकृति इस शर्त के साथ प्रदान करते हैं कि प्रथम किश्त के पूर्ण उपयोग के बाद ही दूसरी किश्त का आहरण किया जायेगा।

2— उक्त धनराशि के आहरण की अलग से स्वीकृति प्रदान नहीं की जा रही है बल्कि इस धनराशि का व्यय हेतु आहरण शासनादेश संख्या-60/IX (31)/2006-2007/बजट/प्लान/नान प्लान/2006-2007, दिनांक 08 मई, 2006 द्वारा आपके निर्वर्तन में रखी गई धनराशि से ही किया जायेगा।

3— उक्त धनराशि अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग, गोपेश्वर, जिला-चमोली को रेखॉकिंत बैंक ड्राफ्ट अथवा कोषागार चेक के माध्यम से उपलब्ध कराई जायेगी।

4— निर्माण कार्य कराते समय नियमानुसार स्टोर परचेज नियमों का विशेष ध्यान रखा जाये।

5- आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को तथा जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा । तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी ।

6- कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य को प्रारम्भ न किया जाये ।

7- कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृत नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाये ।

8- एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त कार्य टेकअप किया जाये ।

9- कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएँ तकनीकी दृष्टि को मध्येनजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें ।

10- कार्य कराने से पूर्व स्थल का भली भौति निरीक्षण उच्च अधिकारियों एवं भू-गर्भवेत्ता के साथ अवश्य करा लें । निरीक्षण के पश्चात् स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण टिप्पणी के अनुरूप कार्य किया जाये ।

11- आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गई है, उसी मद पर व्यय किया जाये, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाये ।

12- निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला में टेस्टिंग करा ली जाय तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाये ।

13- जी0पी0डब्लु0 फार्म 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगणन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा ।

14- इस सम्बन्ध में व्यय विवरण तथा आवश्यक वाचचर आदि सुरक्षित सुरक्षित रखे जायेंगे ।

15- व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल तथा वित्त हस्त पुस्तिका के नियम निर्देशों तथा अस्थाई आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम अधिकारों की स्वीकृति हो, उनमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय ।



16- धनराशि का व्यय करते समय मितव्ययता सम्बन्धी नियमों का पालन सुनिश्चित किया जायेगा ।

17- स्वीकृत धनराशि का व्यय केवल उक्तानुसार अनुमोदित मदों पर ही किया जायेगा । अन्यत्र मदों में धनराशि का व्यय कदापि न किया जाय ।

18- स्वीकृत की जा रही धनराशि का दिनांक 31-3-2005 तक पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा । यदि दिनांक 31-3-2007 तक कोई धनराशि अवशेष रहती है तो उसे शासन को समर्पित कर दी जायेगी ।

19- निर्माण कार्य कराते समय शासनादेश संख्या-2047/VIV-219(2006), दिनांक 30-5-2006 द्वारा दिये गये निर्देशों के परिपालन में कड़ाई से पालन करना सुनिश्चित करें । इस कार्य के लिये निर्माण इकाई स्वयम् उत्तरदायी होगी ।

20- कार्यों के निर्माण के सम्बन्ध में वित्त विभाग द्वारा निर्गत शासनादेश दिनांक 5-4-2005 का अनुपालन किया जायेगा ।

21- कार्य अनुमोदित आगणन की सीमान्तर्गत ही कराये जायें, किसी भी दशा में पुनरीक्षित आगणन/अतिरिक्त धनराशि की स्वीकृति प्रदान नहीं की जायेगी । कार्यदायी संस्था/इकाई द्वारा निर्दिष्ट मदों/कार्यों के अतिरिक्त किसी भी प्रकार की मद को परिवर्तित नहीं किया जायेगा ।

22- कार्यदायी इकाई को आवंटित कार्य को शासन द्वारा निश्चित समयसीमा में पूर्ण कराया जाना होगा । कार्य की गुणवत्ता में कमी, कार्यों में शिथिलता एवं समयबद्धता के लिये सम्बन्धित निर्माण इकाई पूर्ण रुप से उत्तरदायी होगी ।

19- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2006-2007 के अनुदान संख्या-24 के लेखाशीर्षक 5053-नागर विमानन पर पूँजीगत परिव्यय -02 विमान पत्तन-00-आयोजनागत-800 अन्य व्यय 04-हवाई पट्टी का सुदृढीकरण एवं अन्य सम्बद्ध निर्माण कार्य 24-बृहत् निर्माण कार्य के नामें डाला जायेगा ।

यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-292(1)/XXVII(2)/2006 दिनांक 7 जुलाई, 2006 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं ।

भवदीय,



(पी०सी० शर्मा)  
प्रमुख सचिव

संख्या- /56 /IX / (3) / 2005-2006 (1) / 2005समदिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, ओबरोय मोटर बिल्डिंग, माजरा, देहरादून।
- 2- आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
- 3- जिलाधिकारी, चमोली।
- 4- स्टाफ आफिसर, मुख्य सचिव।
- 5- मुख्य अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, उत्तरांचल।
- 6- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 7- अधीक्षण अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, 38-वाँ वृत्त, गोपश्वर - चमोली।
- 8- अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग, गोपश्वर - चमोली।
- 9- वित्त अनुभाग-2
- 10- गार्ड बुक।
- 11- एनआईसी, सचिवालय।
- 12- पत्रावली संख्या-61/बजट/2004-2005 में अभिलेख हेतु।

आज्ञा से,

(पी०सी० शर्मा)  
प्रमुख सचिव

